VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (4513)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01347890

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Zinnia Aurora

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
English

तारीख
Date
27 July 2025

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre 001, JVSD Delhi.

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (4513)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a) करुणा, दूसरे के दुःख को अपना दुःख मानकर उसे महसूस करने तथा उस संबंध में कार्रवाई करने का साहसी विकल्प है, तब भी जब मौन रहना अधिक सुरक्षित हो और उदासीनता दिखाना अधिक सहज हो। भारत में सिविल सेवकों के लिए एक आवश्यक नैतिक मूल्य के रूप में करुणा के महत्त्व का परीक्षण कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Compassion is the courageous choice to feel another's suffering as one's own, and to act upon it, even when silence is safer and indifference is easier. Examine the significance of compassion as an essential ethical value for civil servants in India. Illustrate your answer with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Compassion refers to the innate action against perils faced by some one.

'Karunam jayate'
compassion is prayer

Significance of compassion in civil service.

1) True citizen centric implementation
(e) Divya Mittal IAS — water to drought prone area

2) Constructive and innovative working (Karmayogi ethics)
(e) bike Ambulance in Chhattisgarh → 90% mortality reduces.

3) Barrier against immoral and corrupt acts
(e) Kants 'moral reasoning' behind acts: deontology

VisionIAS

4) Better policy formulation
↳ understanding problems properly
(eg) Swach Bharat Abhiyan 40 focus on perils of workplace cleanliness.

5) Creation of larger impact with procedural accountability
↳ ability to link welfare with dutiful compliance.
(eg) Kozhikode: Operation Sulaimani

6) Courage of conviction → keeping own personal interests aside.
(eg) Bharat Sah's killing on report on MDM quality.

Overall Impact

1) 'Service to the poor' (Vivekanda)
2) Productive work culture.
(eg) SEVOTTAM implementation
3) Breaking image of 'wooden bureaucracy' (2nd ARC).

Compassion is the spiritual interregnum that makes governance humane.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

1. (b) भारत में विवाह पारंपरिक संस्कारों से हटकर अधिक स्वायत्त संबंधों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, जो लिव-इन रिलेशनशिप की बढ़ती प्रवृत्ति और बढ़ती तलाक दरों से परिलक्षित होता है। इन परिवर्तनों के नैतिक आयामों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Marriages in India are transitioning from traditional sacramental unions to more autonomous relationships, reflected in live-in relationships and rising divorce rates. Discuss the ethical dimensions of these changes. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

'Marriage of minds and thoughts' was the traditional sacrament that binded nuptuals. A transition is evident in light of 'individualism'

Transformed ethics

(collectivised decisions) → (agential autonomy)

(Indian/Asian value system) → (western thinking)

Ethical Dimensions of change

1) Familial involvement diluted
   ↳ erosion of familial trust

2) Autonomy seeking youth
   (e.g.) urbanised outlook of 'Its my life'.

VISION IAS

3) 'Transactional marriages' over traditional fabric.

(eg) culture of prenups.

4) Growing 'post trust society'

(eg) 'trial and error' dating.

5) Lack of attention-span longevity

(eg) live-in relations + higher divorce rates.

6) Dilution of traditions and customary socialisation

(eg) neo-locality of marriage and falling preference of marriage.

7) Repulsive reaction against patriarchal 'marriage institution'.

(eg) movement against dowry.

However, preservation of institution still visible:

1) commercialisation of marriage → reconnect with roots
↳ social influence via social media

2) Marriage as a sacrament ↳ rising romanticisation.

Societal 'modernity' stems from exposure to newer social realities.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

2. (a) यद्यपि जवाबदेही के लिए प्रायः प्रलेखन आवश्यक होता है, लेकिन नौकरशाही प्रक्रियाओं और अत्यधिक कागजी कार्रवाई पर अधिक बल देने से अनजाने में उन आवाजों को दबाया जा सकता है जिन्हें लोक नीति, विशेष रूप से जमीनी स्तर पर, सशक्त करना चाहती है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ उपर्युक्त कथन का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

While accountability often necessitates documentation, an overemphasis on bureaucratic procedures and excessive paperwork can inadvertently silence the very voices that public policy intends to empower, particularly at the grassroots. Examine the above statement with suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Procedural accountability must be balanced with substantive justice to lay a figurative 'welfare state' (Article 38)

Issues with overemphasis

1) Rule based governance undermines 'role' of civil servant.
(eg) Death of 2 due to 'technicality citing' for ration card in Jharkhand.

2) Compassion as compass for accountability
(eg) PM Awas - 'roof provision' led to removal of roofs to claim benefits - living on road.

3) Proactive thinking and action by civil servant.
↳ Going beyond 'letter' and into 'spirit' of laws

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4) Documentation as means, not the end in itself.
- (a) Deontological ethics applied by PM Modi by sitting down to meet parathlete.

5) Balance Weberian bureaucracy with Benthams 'benevolent guardian'
↓
add 'public' to public servant.

6) 'Wooden, rigid bureaucracy' at the altar of accountability
↓
secularized, open nature. to connect with people.

However, accountability is also crucial
- transparency
- probity maintenance
- keep corruption in check
- Objective & Rationality focus.

Accountability and compassion are the two wheels of an 'austere and able' civil service (President Murmu)

VisionIAS

2. (b) निष्पक्षता के सिद्धांत का कभी-कभी वंचित समुदायों के प्रति करुणा की आवश्यकता के साथ टकराव हो सकता है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The principle of impartiality may conflict with the need for compassion towards marginalized communities. Discuss in the context of civil services in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Article 39(b) and 39(c) effectuate an equity-based dispensation ensuring social justice and economic proclivity to all.

Impartiality Vs Compassion

- Rationality based decisions
- Excess on 'objectivity'
- Rule-based governance.
- Equality before law.
- Disregard for epistemic humility
- Cognitive supremacy

- Contextual understanding of problems.
- Suffering and emotive component high.
- Role based governance.
- Equal protection of laws (Article 14)
- Humane understanding.
- Affective supremacy

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

marriage of both
↓
rule + role based Karmayogi
↓
inclusive growth

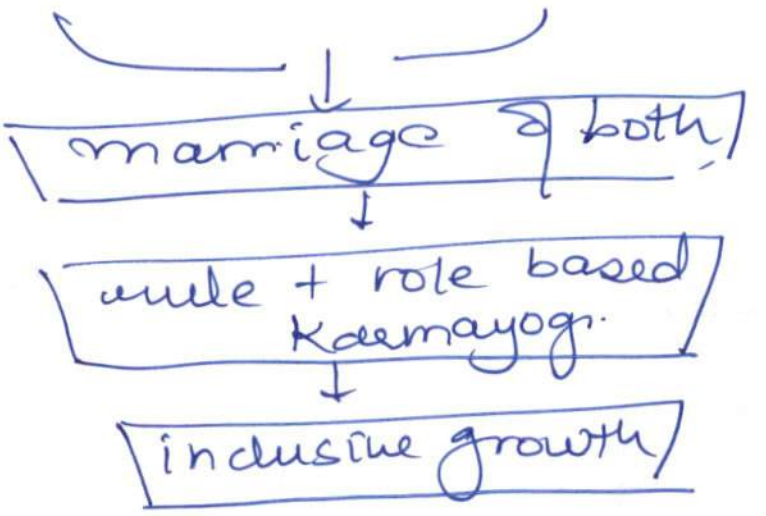

- Compassion with impartiality helps empower the poor
  - "Are not all poor Gods too?" – Vivekanand
- Provision of 'capabilities to all'
  - Rawlsian justice requires balance of both.
- Intermixing of cognitive rationality + (affective care)
  - eg impartial implementation of PM-AWAS, MNREGA.
- Use of tools → democratized Reach of tools → enable the last mile access
  - eg Bank Mitras to provide same services of the bank as others get at branch

Thus, whilst nascently conflicting, impartiality and compassion serve 'welfare of all'

VisionIAS

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "किसी राष्ट्र की ताकत उसके घर की अखंडता से उत्पन्न होती है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The strength of a nation derives from the integrity of the home." - Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Confucius talks about the familial socialisation and the cruciality of value system one inherits.

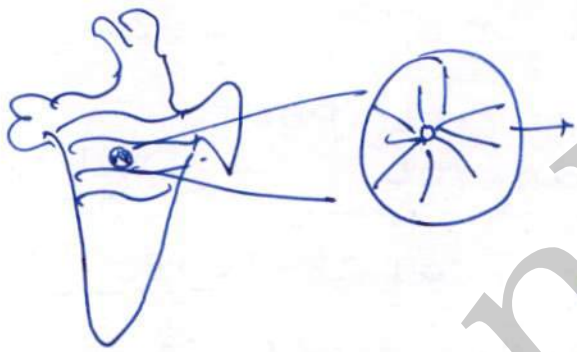

All spokes of chakra equally aid creation of national unity & integrity.

Integrity of home as hotspring

1) Sum of ~~whole~~ individuals larger than whole

eg strong family values aid creation of better happiness

2) Social capital develops when each family develops tolerance and integrity at home

↓

reduced conflicts of ethnicity, caste divide

VisionIAS

3) Future leaders, if raised at integrity-filled homes, would create a 'truthful society' instead of 'post truth society'.

eg) falling fake news absorption.

4) 'Education' is furthered at homes with values → educated workforce aids 'knowledge economy' strength.

eg) India as knowledge super power.

5) 'Ecological integrity' taught at home fosters respect for nature globally. eg) Ek Ped Maa ke Naam, 2 crore plus trees planted

6) A nation-respecting, constitution abiding 'integrity home' raised the future to be lawful, patriotic and aids against crime – security asset

eg) Village Vibrant Programme,

Indeed, what grows at home as a flower, not a missile, forges fragrance not fatalism.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3. (b) "उसी नियम के अनुसार आचरण करें जिसके बारे में तत्क्षण आप सार्वभौमिक विधि बनाने का संकल्प कर सकें।"- इमानुएल काण्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Act only according to that maxim through which you can at the same time will that it become a universal law."- Immanuel Kant (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Immanuel Kant adopts a 'universalised approach to value determination and ethical absolutism.

(eg) Descartes' rationality thesis.

Universal Law maxim

1) Lays down standards that have no conditionalities attached.
" A palace of sand is bound to fall." - Gandhi

2) Creates clear guidelines of conduct and values to measure ourselves.
(eg) all murder is bad. It cannot be justified.

3) Morals as supreme guides ensure we do not create

VisionIAS

or stretch "ethical relativism" to the point that we justify every type of action in the name of 'right'.

(eg) terrorist attacks in name of spiritual endeavour.

4) Universal laws also ensure that 'situational factors' do not entice us towards bad actions.

5) Animalistic pursuit of 'kaam, moh' or 'greed' dispelled → leads to a productive, people-oriented personality development.

6) It also helps us identify our own personality growth and connect it with 'societal norms' that are based on universal rationality

(eg) enhanced social capital and happiness.

Universalism, however, must be balanced with 'sthan, stiti' or 'place and circumstance' as relativism is crucial for holistic justice.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VISION IAS

3. (c) "हम न केवल उसके लिए जिम्मेदार होते हैं जो हम करते हैं, बल्कि उसके लिए भी जिम्मेदार होते हैं जो हम करने में विफल रहते हैं।" - मोलियर (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"We are not only responsible for what we do, but also for what we fail to do"- Molière. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Responsibility for our actions is the first tenet we are taught. Omissions are also chosen actions that we must be responsible for.

Responsible for action + inaction

1) Fuelling of 'cancel culture' requires us to be compassionate.
   ↳ do: support humane language
   not do: refrain from mobbish putting down of someone.

2) In times of climate crisis, we must not fail to focus on individual action.
   do: LiFE guidelines, affordable.
   not do: use polluting vehicles, leave lights on.

VISION IAS

3) Blaming own failure on others → take responsibility for not working hard.

(eg) being passive recipient of subsidies and not working hard to get a job.

4) Taking charge of our life: recognising our pitfalls, taking responsibility, working hard towards it.

"Arise, Awake Stop not till achieved!"
— Vivekanand..

5) Had India not taken responsibility for not opening its industrial sector to foreign competition, LPG reforms and subsequent growth boom would not have happened.

6) Had the government not taken responsibility for not providing compensation and rehabilitation post Narmada Bachao Andolan, it would have lost public trust.

Responsibility means in action and non-action → both are key to bring change

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

4. (a) देशभक्ति नैतिक प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करती है, जबकि राष्ट्रवाद प्रायः इसका दमन करता है। अत्यधिक दबाव वाली राष्ट्रीय घटनाओं के दौरान राजनीतिक अभिवृत्तियों के विकास के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिए। व्यक्ति ऐसी नैतिक अभिवृत्तियों को किस प्रकार विकसित कर सकते हैं, जो राष्ट्रीय हित और नैतिक तर्क के बीच संतुलन स्थापित करें? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Patriotism encourages ethical questioning, while nationalism often suppresses it. Discuss this statement in light of the formation of political attitudes during high-pressure national events. How can individuals develop moral attitudes that balance national interest with ethical reasoning? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Patriotism refers to love for one's nation while Nationalism refers to feeling of one's country being better than others, a form of relative superiority

Political attitudes in high pressure event

1) Nationalism dilutes tolerance
   (eg) Riots based on communal disharmony during India - Pakistan match

2) Nationalism translates to chauvinism leading to irrational attitudes of supremacy.
   ↳ Reduced ~~off~~ sense of humanity by Nazi Germany during Lebensraum

VisionIAS

3) Clarity of thought lost in face of emotive bombing, 'empathetic numbing' in face
(eg) of ceasefire: ill comments on Foreign Secretary.

4) Rising 'mob mentality' pivots reactive actions without balance of moral attitudes.
(eg) US election debates

Balance of national interest & Ethical reasoning

1) Patriotic fervour sticks to love for country, not hate for others.

2) 'Court of conscience' as main compass.

3) Constitutional morality in action.

4) Vivekananda's triumvirate man

5) Rational basis to decipher ill-will for others. — avoid nihilistic attitudes.

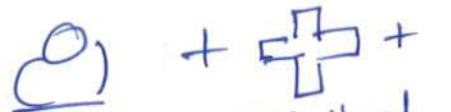

Thus, patriotism is key (Article 51(A)(a)) but a balance of universal moral Kantian law and Gandhian ahimsa in cognitive, behavior is important

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

4. (b) चर्चा कीजिए कि निजी संगठनों में कर्मचारी कल्याण और निष्पक्षता को दक्षता एवं लाभप्रदता के साथ किस प्रकार संतुलित किया जा सकता है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how employee well-being and fairness can be balanced with efficiency and profitability in private organisations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Hawthorne studies report that employee-centricity and welfare leads to higher Productive outcomes.

Healthy corporate governance

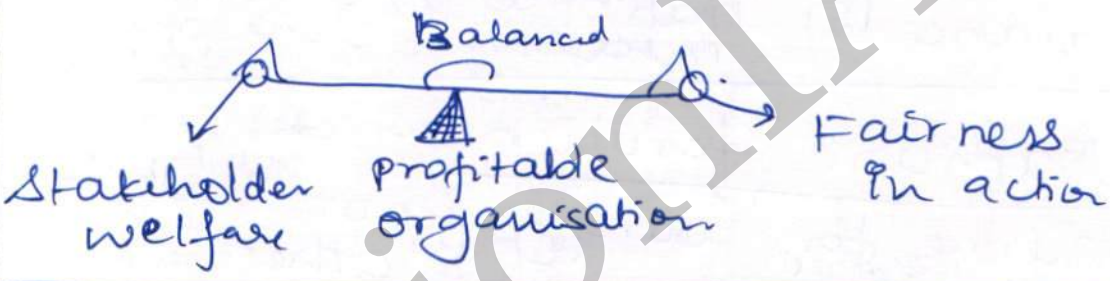

(How?)

1) Employee welfare policies tagged and tied to outcomes.
   (eg) Google's Innovation policies

2) Assertion of Key Performing Indicators (KPIs) in an enabling environment.
   (eg) Salesforce → KPI for reward points.

3) Stress on mental health
   (eg) HUL's Mental Health warrior.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4) Adept Leadership - setting
- realistic but strict targets
- (eg) Rawlsian 'veil of ignorance' localised to corporatism.

5) GAPS analysis →

- Knowledge → training & development modules.
- capability → Leadership vision clarity
- communication → penetration of vision and motive of company.

6) Employee ownership of company (eg) ELIP schemes
→ advances work ethics as company feels own.

7) Leading by example
(eg) Leena Nair's work scheduling and compassionate capitalism.

Thus, a balance of employee welfare, fairness, productivity orientation relays Caux Roundtable's objective achievement.

VisionIAS

5. (a) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सोशल मीडिया और उभरती हुई ए.आई. प्रौद्योगिकियों के अत्यधिक उपयोग से किशोरों में भावनात्मक नियमन और नैतिक संवेदनशीलता में कमी आ सकती है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Do you agree that excessive use of social media and emerging AI technologies may lead to a decline in emotional regulation and moral sensitivity among adolescents? Justify your answer. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The 'social media wave' and 'AI revolution' substitute the need for spatial interaction and usage of mental faculties and thus outsourcing physical and mental accountability.

Decline in moralism

A) Emotional Regulation.

1) Falling social awareness which is gathered only through algorithm infested social media

(eg) cancel culture.

2) 'Post-truth society' where verifiability falls → lack of righteous understanding of facts and regulation

(eg) reactive twitter wars.

Vision IAS

3) Emotional intelligence reduction due to 'emotive bombardment' using 'nudges' ↓

inability to foster tolerant attitude

4) Falling interface with people due to social media presence

↳ 'Onlife' phenomenon

↓

Loss of self-identity outside digital space.

Moral sensitivity

5) Influencer dictated moral socialisation (eg) Adam Tate and misogynist content creation.

6) 'Exclusivity-seeking' → islands of loneliness → anti-social

(eg) rising suicide rates.

7) Violence-normalisation and social connotation of AI ~> deepfake and AV creation

→ Balanced intake — Australia act banning adolescents access.

Need → Regulated access to both

↳ Ethical AI promotion (eg) studies.

↳ adolescent sensitization.

As said by PM Modi: (AI) must be used to empower, not to gain power.

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

VisionIAS

5. (b) भारत में छात्रों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के आलोक में, चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ई.आई.) तनाव और भावनात्मक चुनौतियों के प्रबंधन में किस प्रकार सहायता कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In light of the increasing incidents of suicides among students in India, discuss how Emotional Intelligence (EI) can aid in managing stress and emotional challenges. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Emotional Intelligence, according to Goleman, rests at the mainstay of self and social awareness.

Use of EI in reduction of suicide stress management

1) Awareness of own emotions
↳ cognitive control.
eg understanding of trigger points.

2) Social awareness
- consequence understanding and also knowing and searching for ways to empower self.
eg suicide helpline.

3) Self-regulation
Preservation of self and persevering through tough times. eg Maya Angelou

VisionIAS

4) Crafting work-life balance to find sweet spot of productive working.
(eg) 'family hour' post work.

5) Standing up against potential trigger points → courage to face internal and external stressor (eg) finding new job or dialogue with partner.

Emotional challenges.

6) EI aids tolerance and courage → helps face emotional challenge.
(eg) facing repeated failures in Start Up / Edison's 99 failures.

7) EI helps have 'clarity of thought', striking rationality as navigational tool to escape challenge. (eg) Shivaji's escape from Mughal prison instead of giving up.

However → external stimulants may not be catered to only by EI (eg) student burning self in Odisha.

↓
suicide is decriminalized
↳ individual autonomy → Mental Health Act, 2017

Way forward → better implementation.
↳ peer 2 peer groups

Thus, EI can aid in culling major factors responsible for suicides.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

6. (a) लोक सेवा में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ भावनाओं को दबाना नहीं, बल्कि समानुभूति और शक्ति के साथ दूसरों से जुड़ने, तनाव या टकराव शांत करने तथा उनका उत्थान करने के इसके उद्देश्य में निपुणता प्राप्त करना है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In public service, emotional intelligence is not about suppressing emotion, but mastering its purpose — to connect, to de-escalate, and to uplift others with empathy and strength. Do you agree with this view? Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Emotional control has been listed by Warren Buffet as a key feature of an effective leader.

not about suppression emotion.... → leads to (4) excessive objectivity.

(1) Hard power becomes obscenely high
(2) nullifies compassion
(3) inability to work with teams.

But mastering EI

to connect.

1) Citizen centricity via social awareness and ability to understand.

Eg) KK Sahu's understanding of lack of water peril
↓
creation of pump project to water district.

VisionIAS

2) Control and analyse own emotions → integrity balanced with tolerance

- (eg) IPS Purushottam domestic violence case.

To deescalate

3) Navigation of complex social situations – EI to balance interests and use social intelligence to navigate (eg) riot counselling.

4) Law and order maintenance during riots

5) Effective working with political executive.
   (eg) quasi-judicial works of DM.

to uplift

6) EI fosters compassion → focus on empathetic empowerment
   (eg) Kiran Bedi's prison reform.

However → (EI) must be balanced with code of ethics
→ (EI) only accords persuasion and regulation, need for moral compass is key.

Enhanced ability or IQ also important

www.visionias.in

Thus, "Knowledge gets you there, character keeps you there." is crucial to understand

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

6. (b) एक कुशल कार्य संस्कृति का निर्माण केवल नियमों पर नहीं, बल्कि साझा मूल्यों पर आधारित होता है। इस संदर्भ में, किसी संगठन के भीतर कार्य संस्कृति को परिवर्तित करने में नेतृत्व और टीम के पारस्परिक व्यवहार के तरीके की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

An efficient work culture is built not only on rules, but on shared values. In this context, evaluate the role of leadership and team dynamics in transforming work culture within an organization. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Work culture refers to conditions of workspace environment and the role each employee feels is being played.

Healthy work environment

(Rules) edificed on (Shared values)

(Mission statement) with (stakeholder rotundity)

Role of Leadership

1) Advancing vision of organisation

(eg) Charlie Munger on 'shared vision' setting.

2) Fostering interactive and 'accessible' culture

(eg) Tata's replies to salesman.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3) Setting self as role model
- eg Lal Bahadur Shastri paying for family stay at ~~President~~ House

4) Top-down flow of values and efficiency
↓
creates culture of value-based functioning.

5) Clarity of workflow
- eg Weberian bureaucracy mainstay.

Team Dynamics

6) Prioritising diversity
- eg respecting everyone's thoughts for holistic work ethic

7) Instilling sense of 'one man, one unit' → caring for all, sharing value system.
- eg aiding a colleague in need.

Thus, efficiency with value inculcation is hallmark of a good work culture.

VisionIAS

7. आप एक राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में, सरकार ने कई नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवाएं लागू की हैं, जिनके माध्यम से बड़ी मात्रा में निवासियों से व्यक्तिगत डेटा एकत्र किया जा रहा है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (DPDP) अधिनियम, 2023 के अनुसार, ऐसे डेटा को केवल स्पष्ट और सूचित सहमति के साथ ही संसाधित किया जाना चाहिए और और यदि व्यक्ति अपनी सहमति वापस ले लेता है, तो डेटा का संसाधन तुरंत रोकना अनिवार्य है।

एक आंतरिक ऑडिट के दौरान, आपको पता चलता है कि विभाग कई नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा को उनके द्वारा अपनी सहमति औपचारिक रूप से वापस लेने के बावजूद संसाधित और विश्लेषित कर रहा है। इस डेटा का उपयोग नीति विश्लेषण और सेवा सुधार जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है, जो डेटा एकत्र करते समय स्पष्ट रूप से बताए नहीं गए थे। जब आप इस मुद्दे को विभाग प्रमुख के संज्ञान में लाते हैं, तो आपको बताया जाता है कि डेटा संसाधन को रोकने से चल रही डिजिटल पहलें बाधित हो सकती हैं और राज्य स्तर के प्रदर्शन संकेतक प्रभावित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आपको यह भी पता चलता है कि सहमति वापसी की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल है और अधिकांश नागरिकों को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त अपने अधिकारों की जानकारी नहीं है।

आपको यह भी पता चलता है कि एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता व्यक्तिगत डेटा के बिना सहमति के उपयोग के विरुद्ध डेटा संरक्षण बोर्ड में शिकायत दर्ज कराने की योजना बना रहा है, जिससे विभाग के विरुद्ध सार्वजनिक जांच और विधिक कार्रवाई हो सकती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान करते हुए उन पर चर्चा कीजिए।

(b) यदि इस मुद्दे का पारदर्शी तरीके से समाधान नहीं किया गया तो विभाग के लिए संभावित परिणाम क्या हो सकते हैं?

(c) आप कुशल लोक सेवा वितरण की आवश्यकता और नागरिकों के डेटा अधिकारों की सुरक्षा के दायित्व के बीच किस प्रकार संतुलन स्थापित करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the Joint Secretary in the Department of Information Technology of a state. The government recently implemented several citizen-centric digital services, collecting large volumes of personal data from residents. The Digital Personal Data Protection (DPDP) Act, 2023, requires that such data be processed only with explicit and informed consent, and mandates that processing must cease immediately upon withdrawal of consent.

During an internal audit, you discover that the department continues to process and analyze personal data of several citizens even after they have formally withdrawn their consent. This data is being used for policy analytics and service improvement, purposes not explicitly disclosed at the time of data collection. When you bring this to the attention of your department head, you are informed that halting the processing will disrupt ongoing digital initiatives and may affect state-level performance metrics. Moreover, you find that the consent withdrawal process is cumbersome, and many citizens are unaware of their rights under the DPDP Act.

You also learn that a prominent social activist is planning to file a complaint with the Data Protection Board against involuntary use of personal data, which could attract public scrutiny and legal action against the department.

(a) Identify and discuss the ethical issues involved in this case.

(b) What are the potential consequences for the department if the issue is not addressed transparently?

(c) How would you balance the need for efficient public service delivery with the obligation to protect citizens' data rights? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

The given situation unravels disregard for citizen's consent and maintenance of 'form justice' over 'substantive integrity'. /

" Legal frameworks in letter and spirit."
— OECD framework for public service deliv.

(a)
Ethicality is the hallmark of Nolan committee recommendt.

1) Rule of Law disobeyed as DPDP Act mandate consent.

2) Lack of legal integrity among officials → 'known disregard' of provisions.

3) Ignorance and rationalised delinquence → 'citing disruption of initiatives'.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

4) Eventual loss of public trust (eg) Aadhar data leak case and subsequent problem.

5) Government

(protector & security provider) → (surveillance state)

6) Data privacy and misutilisation

7) Breach of social contract via 'undistorted utilisation of data' (eg) gerrymandering.

8) moral ambivalence due to broken checks and balances

(b) Potential consequences

1) Loss of public trust and disconnected 'publicness'

2) Increased vigilance among citizens - political apathy and fatalism at their end.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3) Breach of stakeholder confidentiality
↓
reduced stakeholder participation.

4) Lax and 'chalta hai' attitude among officers under me → leadership deficit
↓
chain of devilish actions

5) Trivialisation of data privacy

6) Imposition of non-consensual working → spillover to other domains.
↓
personal integrity loss.

⇒ Reputational loss of DoIT
↓
falling credibility of institution.
↓
'Gilded Age' ⇒ Mark Twain.

c) Balance: public service delivery (vs) citizen's data rights.

d) Instil a sense of 'citizen centricity' (Kaushal Kishore case 2024)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VISION IAS

Action | Rationale

Action	Rationale
1) Rejuggle erstwhile trends analysis	→ Innovative thinking. → Constructive approach. (Karmayogi mission) → Leadership in triumphant times
2) Report misuse of data & breach	→ Disclosure & transparency → Precedent setting → Leading by example
3) Look for different ways of data-based governance	→ newer survey be conducted. → Diversified perspective → Objectivity maintained.
4) Integrity pacts signing	→ Law as first letter → Rule of Law. → value-based work culture instilled
5) Conduct of new survey with longer validity	→ Objectivity preserved → holistic thinking → Deontological maintain.

'Moral earnestness' is first mark of productive governance (Santhanam committee)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. आप एक IAS अधिकारी हैं और वर्तमान में एक पहाड़ी राज्य में लोक निर्माण विभाग के सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में, एक वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दो अभियंताओं से जुड़ी एक गंभीर घटना सामने आई है। एक महत्वपूर्ण राजमार्ग परियोजना के निरीक्षण के दौरान, मंत्री को कथित रूप से एक वीडियो में सार्वजनिक रूप से अभियंताओं के साथ शारीरिक उत्पीड़न और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए देखा गया। यह वीडियो वहां से गुजर रहे लोगों द्वारा रिकॉर्ड किया गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तथा टेलीविजन चैनलों द्वारा भी इसे व्यापक रूप से कवर किया गया, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों में आक्रोश और समर्थन दोनों देखने को मिला। बाद में मंत्री ने अपने कृत्य का बचाव करते हुए आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारी भ्रष्ट हैं, स्थानीय शिकायतों के प्रति अनुत्तरदायी हैं और परियोजना में अत्यधिक विलंब के लिए जिम्मेदार हैं। मंत्री द्वारा यह भी कहा गया कि उसका व्यवहार जनता की निराशा और दूरस्थ क्षेत्र में समय पर अवसंरचना के निर्माण की आवश्यकता से प्रेरित था।

हालांकि, अभियंताओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही, उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर यह दावा किया है कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने मंत्री से जुड़े स्थानीय ठेकेदारों को ठेका देने के लिए डाले जा रहे राजनीतिक दबाव का विरोध किया था। स्थिति के अधिक गंभीर होने पर, NHAI अभियंताओं के एक संघ ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई और अधिकारी की गरिमा की रक्षा की मांग करते हुए हड़ताल की घोषणा कर दी। इसके कारण कई महत्त्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाएं ठप हो गई हैं, जिनमें जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क, मानसून पूर्व मरम्मत कार्य और सामरिक सीमा सड़कें शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने आपको तथ्यान्वेषण रिपोर्ट तैयार करने के साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस बीच, मंत्री का कार्यालय आप पर अनौपचारिक रूप से घटना को कम महत्वपूर्ण दिखाने का दबाव बना रहा है। मीडिया दो भागों में बंटा हुआ है — कुछ मंत्री को भ्रष्टाचार के विरुद्ध योद्धा के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि अन्य इसे प्रशासनिक आचरण और विधि के शासन का गंभीर उल्लंघन बता रहे हैं। विभिन्न विभागों के सिविल सेवकों ने व्यक्तिगत सुरक्षा, गरिमा और राजनीतिक हस्तक्षेप की बढ़ती घटनाओं के संबंध में चिंता व्यक्त की है, वहीं अवरुद्ध अवसंरचना कार्यों के कारण नागरिकों में भी असंतोष बढ़ रहा है।

(a) इस प्रकरण में शामिल प्रमुख नैतिक मुद्दे क्या हैं? हितधारकों और उनके परस्पर विरोधी हितों की पहचान कीजिए।

(b) लोक निर्माण विभाग के सचिव के रूप में, आप उपर्युक्त स्थिति में क्या कार्रवाई करेंगे?

(c) ऐसी घटनाएं सिविल सेवकों के मनोबल और शासन में जनता के विश्वास को कैसे प्रभावित करती हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are an IAS officer, currently serving as the Secretary of the Public Works Department in a hill state. Recently, a disturbing incident has come to light involving a senior Cabinet Minister and two engineers of the National Highways Authority of India (NHAI). During an inspection of a critical highway project, the Minister was allegedly seen on video physically assaulting and verbally abusing the engineers in full public view. The video, recorded by bystanders, went viral on social media and was widely covered by television channels, sparking both outrage and support from different sections of society. The Minister later defended his actions, alleging that the officials were corrupt, unresponsive to local grievances, and responsible for inordinate delays in the project. He insisted that his actions were driven by public frustration and the urgency of delivering infrastructure to a remote region.

However, the engineers have filed a police complaint and written to their superiors, claiming they were targeted for resisting political pressure to award contracts to specific local contractors linked to the Minister. As the situation escalated, a union of NHAI engineers declared a strike,

VisionIAS

demanding action against the Minister and protection of officer dignity. This has brought several critical infrastructure projects to a standstill, including road connectivity to tribal areas, pre-monsoon repair works, and strategic border roads.

You have been directed by the Chief Secretary to prepare a fact-finding report, while also ensuring smooth coordination between state and central agencies. Meanwhile, the Minister's office is informally pressuring you to downplay the incident. The media is sharply divided — some portraying the Minister as a crusader against corruption, others condemning the act as a serious breach of administrative ethics and rule of law. Civil servants across departments have expressed concern about personal safety, dignity, and increasing political interference, while citizens are now growing restless due to halted infrastructure works.

(a) What are the key ethical issues involved in this situation? Identify the stakeholders and their conflicting interests.

(b) As the Secretary of the PWD, what actions will you take in above situation?

(c) How do such incidents affect the morale of civil servants and public trust in governance? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The given case study reflects stakeholder conflict and a potential case of corruption, in addition to political interference and violence against personnel.

vision: I will "Think strategically, act democratically."

a) Ethical issues & stakeholders

SH

Minister
→ political sanguinity
→ pressure tactics

Ethical issues

- Administrative ethics violation.
- Use of delinquent means of violence (himsa)
- Potential corruption
  ↳ lack of probity

VisionIAS

Engineers → Reactive measures
→ potential emblems of non-partisan work

↓ officer dignity

courage to counter politician

Union → collective protection & bargaining
→ Disregard for public good.

↓ protection of worker rights.

Citizens →
- lack of infrastructure access
- trust-based governance Lack.
- confused loyalties.

media → partisan reporting
→ verifiable fact finding yet to be done.
→ upright reporting amiss

↓ Lack of will to help maintain public discipline.
- profiteering urge

(b) Actions

1) Set up fact finding committee

Rationale.
→ verifiability
→ objectivity
→ process-based working
→ hierarchy-flow (Weber)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) Dialogue with both parties to understand side of story
→ tolerance of opinions and accusation.
→ Honest understanding

3) Maintain record of ministerial pressure
→ Accountability balanced with rationality
→ rational disobedience against ill-informed orders
→ non-partisan working.

↓

ask for written directives
(TSR Subramanian case)

4) Media: Statement release
→ solicit time from people
↓
assurance based governance.

↓

Request media to be ethical in reporting

→ Inform of progress
"Informed citizenry currency of democracy"
– H. Shah

5) Sit with Union – discuss need to balance 'citizen rights' with own
→ officer duty
↓
lost in 'service of poor', Vivekananda

VisionIAS

(C) Impact on ~~morale~~ service morale + public trust

civil servants morale

1) Falling synergy between political executive & permanent.

2) Lack of will to stay truthful

3) Chilling effect – public harassment.

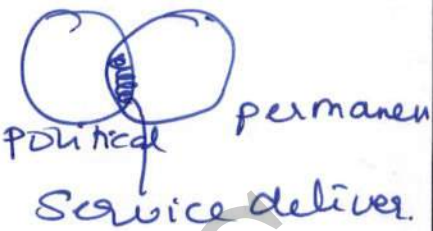

4) Whistleblower rights violation
↳ deterrence against probity
(eg) Manjunath – IOCL case.

5) Falling spectre of role models

6) Antagonism over 'temperence' (virtue ethics)

7) Teleological ends pursued
(eg) Lack of care for hill state citizens.

[Public trust] → Falling trust
→ Responsiveness dilution
→ Lack of relatability towards public servants
→ Reactive understanding
→ Fatalism

Thus, it is crucial to instil officer protection (Article 309, 312) whilst ensuring political actors use dialogue over deterrence.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. आप भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल के वर्षों में, लोक सेवकों, विशेष रूप से IAS, IPS और IRS से संबंधित ऐसे युवा अधिकारियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, जो अपने व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया पेज बना रहे। इन प्लेटफार्मों पर, वे नियमित रूप से अपने आधिकारिक कार्यों — नवाचारी परियोजनाओं, जनसंपर्क पहलों, निरीक्षण यात्राओं और कभी-कभी दैनिक प्रशासनिक गतिविधियों - से संबंधित वीडियो भी पोस्ट करते हैं।

इन वीडियो पर प्रायः व्यापक रूप से जनता द्वारा ध्यान केंद्रित दिया जाता है और कई दर्शक यह कहते हुए इसकी सराहना करते हैं कि ऐसी सामग्री पारदर्शिता को बढ़ावा देती है, अभ्यर्थियों को प्रेरित करती है और नौकरशाही को मानवीय बनाती है। हालांकि, विभिन्न वर्गों से कुछ चिंताएं भी सामने आई हैं। वरिष्ठ अधिकारी तर्क देते हैं कि ऐसी सामग्री व्यक्तिगत ब्रांडिंग और लोक सेवा के बीच की सीमाओं को धुंधला कर सकती है, जबकि कुछ नागरिक और मीडिया विश्लेषक ऐसे उदाहरणों की ओर संकेत करते हैं, जहां वीडियो में बिना सहमति के सुभेद्य लाभार्थियों को दिखाया जाता है, आधिकारिक परिसरों का दुरुपयोग किया जाता है या ऐसा प्रतीत होता है कि वीडियो सार्वजनिक उत्तरदायित्व की तुलना में व्यक्तिगत लोकप्रियता बढ़ाने हेतु बनाए गए हैं।

एक प्रकरण में, एक जिलाधिकारी को एक विद्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान शिक्षकों को कैमरे पर डांटते हुए देखा गया — यह वीडियो बाद में उनके व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किया गया, जो मोनेटाइज भी है। कुछ लोगों ने अधिकारी द्वारा अपनाए गए सख्त रवैये की सराहना की, जबकि अन्य ने शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से डांटने और सेवा की गरिमा का उल्लंघन करने की आलोचना की। एक अन्य मामले में, एक पुलिस अधिकारी को बाढ़ बचाव अभियान का निर्देशन करते हुए देखा गया, जहां उसके कर्मचारी ड्रोन कैमरे में माध्यम से इसे फिल्मा रहे थे, जिसे बाद में सोशल मीडिया के लिए एक प्रेरणादायक वीडियो के रूप में संपादित किया गया। आपको लोकहित, संस्थागत सत्यनिष्ठा और संचार के बदलते तरीकों के बीच संतुलन बनाए रखने हेतु अनुशंसाओं सहित एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।

(a) लोक सेवकों द्वारा अपने आधिकारिक कार्यों को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने के कृत्यों में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) क्या ऐसी प्रथाएं जागरूकता और प्रेरणा को प्रोत्साहन देती हैं या क्या ये अनामिता, तटस्थता और सामूहिक सेवा भावना के मूल्यों से समझौता करती हैं? अपना मत दीजिए।

(c) सचिव के रूप में, लोक सेवकों की उत्तरदायी डिजिटल सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आप कौन-से मार्गदर्शक सिद्धांत और नीतिगत अनुशंसाएं सुझाएंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are the Secretary in the Department of Personnel and Training (DoPT), Government of India. In recent years, an increasing number of civil servants, particularly younger officers from the IAS, IPS, and IRS, have begun maintaining personal YouTube channels and social media pages. On these platforms, they regularly post videos related to their official work — showcasing innovative projects, public outreach initiatives, inspection drives, and sometimes even day-to-day administrative duties.

These videos often receive widespread public attention, and many viewers express admiration, saying such content enhances transparency, motivates aspirants, and humanizes the bureaucracy. However, concerns have also emerged from various quarters. Senior officers argue that such content may blur the boundaries between personal branding and public service, while some citizens and media commentators point to instances where videos feature vulnerable beneficiaries without consent, raise concerns about misuse of official premises, or seem designed more for personal popularity than public accountability.

VisionIAS

In one case, a district magistrate was seen filming a surprise school inspection in which teachers were scolded on camera — the video was later posted to his personal YouTube channel that is also monetized. While some praised the officer's strictness, others criticized the public shaming of teachers and the breach of service dignity. In another case, a police officer was seen directing a flood rescue operation while his staff filmed drone footage, later edited into a motivational video for social media. You have been asked to prepare a report with recommendations to balance public interest, institutional integrity, and evolving modes of communication.

(a) Identify the ethical issues involved in civil servants publicly showcasing their official work on social media.

(b) Do such practices promote awareness and motivation, or do they compromise the values of anonymity, neutrality, and collective service ethos? Give your opinion.

(c) As the Secretary, what guiding principles and policy recommendations would you suggest to ensure responsible digital engagement by civil servants? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Given case study reflects upon balancing of personal outcomes and public accountability, in face of rising social media presence of officers

(a) Ethical issues involved

1) Reduced focus on 'duty' 'yogekshama jayate'

2) Nishkama karma ethics undermined with 'monetized content'.

3) Rising public validation need in officers → falling 'public service compass'

VisionIAS

4) Disembtematic of President Murmu's characterisation of civil servants

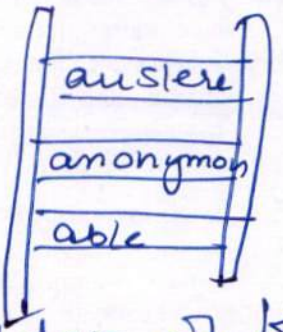

Ladder of Karmayog

5) Increased focus on public image undermines due diligence and courage to act against social norms.
(eg) ASI officer listening to superstitious individuals to decide on official dig.

(b) Promotion of awareness & motivation

(1) break the notion of 'wooden, iron curtain bureaucracy' (ARC)
(eg) Better India

(2) public/social accountability ~~measure~~.
↓
rising expectation from those who defy 'rolebased working'.

(3) secularized view of civil servants work
↓
motivation for social service & Sarvodaya

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Compromise of anonymity, neutrality

- Falling prey to media dictated actions
- means of power showcasp
  eg suspension of IPS officer due to 'picture with fake red light'.
- May lead to favoritism in favour of majoritarian views of follower
- Displacing political executive as 'face of governanc'

(C) Guiding Principles

1) Sieve of public welfare must be put before release.

2) consent of those in video necessary
   eg DPDP Act, 2023

3) Focus on 'positive' videos instead of 'scolding of teachers'

VisionIAS

4) Ensuring promotion of government schemes and achievements instead of portrayal as 'own achievement'

5) Use it as a reward mechanism for those doing good work in your district.

Recognition & Reward.

Thus, responsible engagement can aid in creating a transparent yet public-oriented civil service.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

10. आप नेशनल बायोएथिक्स कमीशन के निदेशक हैं, जो एक राष्ट्रव्यापी जीन अनुक्रमण कार्यक्रम की नैतिक व्यवहार्यता और निगरानी का आकलन करने के लिए उत्तरदायी हैं। "जीन फ्यूचर" नामक इस परियोजना का उद्देश्य प्रत्येक नवजात शिशु के डी.एन.ए का अनुक्रमण करना और उसे एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय डेटाबेस में संग्रहीत करना है। इसका उद्देश्य जीवन की प्रारंभिक अवस्था में ही गंभीर बीमारियों के प्रति आनुवंशिक प्रवृत्तियों की पहचान करना है, ताकि निवारक उपचार और वैयक्तिकृत चिकित्सा संभव हो सके। इस कार्यक्रम के प्रायोगिक चरण में पहले ही 1,00,000 से ज्यादा शिशुओं को नामांकित किया जा चुका है। सरकार का दावा है कि यह जन स्वास्थ्य उन्नति की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यद्यपि, नवजात शिशुओं के आनुवंशिक डेटा का संग्रह गंभीर नैतिक चिंताएँ उत्पन्न करता है, विशेष रूप से सूचित सहमति के संबंध में, जो संभवतः दीर्घकालिक जोखिमों के बारे में माता-पिता की समझ को पूरी तरह से नहीं दर्शाती है। एक बार एकत्रित हो जाने के बाद, इस संवेदनशील डेटा का दुरुपयोग निगरानी, बीमा भेदभाव या तृतीय पक्षों द्वारा व्यावसायिक विपणन जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। डेटा के स्वामित्व को लेकर अनिश्चितता—कि यह राज्य का है, माता-पिता का है, या उस बच्चे का है जब वह वयस्क होगा—इस मुद्दे को और जटिल बना देती है। निजी तकनीकी और दवा कंपनियों की संलिप्तता से वाणिज्यिक शोषण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं, विशेष रूप से इस प्रकार के स्पष्ट तंत्र के अभाव में, जिसके तहत वयस्क होने पर व्यक्ति अपनी सहमति वापस ले सकता है या अपनी आनुवंशिक जानकारी को हटा सकता है।

(a) आपके विचार में जीन फ्यूचर कार्यक्रम के कार्यान्वयन में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) इस प्रकरण में विभिन्न हितधारकों के परस्पर विरोधी हितों की पहचान कीजिए।

(c) इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आप किन मार्गदर्शक नैतिक सिद्धांतों की अनुशंसा करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are the Director of the National Bioethics Commission who is responsible for assessing the ethical feasibility and oversight of a nationwide gene sequencing program. The project named GeneFuture, aims to sequence the DNA of every newborn child and store it in a centralized national database. The objective is to identify genetic predispositions to serious diseases early in life, allowing for preventive treatment and personalized medicine. Over 100,000 babies have already been enrolled in the pilot phase of the program. The government claims that this move is a landmark step in public health advancement.

However, collection of newborn genetic data raises significant ethical concerns, particularly around informed consent, which may not fully capture parents' understanding of the long-term risks involved. Once gathered, this sensitive data could be misused for purposes such as surveillance, insurance discrimination, or commercial marketing by third parties. Uncertainty over data ownership—whether it lies with the state, parents, or the individual as they mature—further complicates the issue. The involvement of private tech and pharmaceutical companies heightens fears of commercial exploitation, especially in the absence of clear mechanisms for individuals to withdraw consent or delete their genetic information upon reaching adulthood.

(a) What are the ethical issues you perceive in the implementation of the GeneFuture program?

(b) Identify the conflicting interests of different stakeholders in this case.

(c) What guiding ethical principles would you recommend for implementation of this project? (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

Given case study reflects upon medical and digital/data ethics' interface, and government's regulatory role.

(a) Ethical issues

1) Pursuit of teleological ends only
↳ consent of child not availed.

2) Lack of 'informed decisionmaking')
defective procedural justice and fairness.

3) Corporatism and singular profiteering at cost of child

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

4) Lack of availability of mechanisms for redressal — denial of justice.

5) Big-Brother / Orwellian state qualities → informational withholding.

6) Conflicting interests

Government - citizen

1. medical prowess (vs) child's genetic rights (recognised by SC)

2. collective good (vs) individual good.

3. public health (vs) consent holisticity.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

corporates vs child

4. profiteering vs dignity of generic information

5. commercialised medical advancement vs means, not an end.

(C) Ethical principles

primus non nocere
First, hurt no one

1) creation of ethical SOP for, informed consent structure.

2) Creation of data privacy flows → individual/citizen centricity

3) Encryption of data or anonymisation → aids medical health progress as well.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margi

VisionIAS

4) Using child as 'means'
- be regulated?
- ensuring future recourse to grievance redressal

Thus, Gene Future must be kept avid in public health enforcement for larger achievement of 'right to health' (Article 21) but with due procedural mandates.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. आप एक समर्पित जिला स्वास्थ्य अधिकारी (DHO) हैं और आप साक्ष्य-आधारित जन स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता रखते हैं। हाल ही में, आपको भारत के एक दूरस्थ जिले में नियुक्त किया गया है। आपका तात्कालिक और सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य एक प्रमुख जिला-व्यापी खसरा-रूबेला (MR) टीकाकरण अभियान का नेतृत्व करना है, जिसका उद्देश्य 9 महीने से 15 वर्ष की आयु के बच्चों में 100% टीकाकरण कवरेज प्राप्त करना है। इस अभियान की सफलता हजारों बच्चों के सामूहिक स्वास्थ्य और जिले के समग्र स्वास्थ्य संकेतकों के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से तब जब आने वाला मानसून का मौसम स्वास्थ्य संबंधी अतिरिक्त चुनौतियां उत्पन्न कर सकता है।

हालांकि, आपके जिले के सबसे बड़े और सबसे पारंपरिक गाँवों में से एक में, आपको अत्यधिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है। एक प्रतिष्ठित स्थानीय आध्यात्मिक गुरु के उपदेशों से अत्यधिक प्रभावित ग्रामीणों का दृढ़ विश्वास है कि टीकाकरण दुष्ट आत्माओं का आक्रमण है एवं बाहरी ताकतों द्वारा उनकी आबादी को नियंत्रित करने का एक प्रयास है और यह उनके बच्चों में बांझपन का कारण बनेगा। वे ज़ोर देकर कहते हैं कि उनके पारंपरिक औषधीय उपचार और अनुष्ठानिक आशीर्वाद ही पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, जो वास्तव में नेकनीयत किंतु अडिग व्यक्ति है, वास्तविक रूप से मानते हैं कि ये टीके हानिकारक होते हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने अनुयायियों को इसका विरोध करने की सलाह दी है। इसके लिए वह टीकाकरण की कुछ कथित 'विफलताओं' और प्राचीन भविष्यवाणियों का उदाहरण देता है। पारंपरिक जीवन-शैली का पालन करने वाले समुदाय के लिए उसके निर्देश या सलाह सर्वोपरि हैं। इसके कारण व्यापक जागरूकता अभियानों के बावजूद, गाँव में टीकाकरण शिविरों का लगभग पूर्ण बहिष्कार किया गया है। आपके स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को, जिनमें से कुछ स्थानीय हैं और जिन्हें सामाजिक बहिष्कार या यहाँ तक कि शारीरिक हमले का भय है, तीव्र विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राज्य स्वास्थ्य विभाग टीकाकरण लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अत्यधिक दबाव बना रहा है और चेतावनी दे रहा है कि यदि कोई ज़िला इन लक्ष्यों को पूरा नहीं करता है तो उसके गंभीर परिणाम होंगे। साथ ही, विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि बल प्रयोग किसी भी परिस्थिति में न किया जाए क्योंकि इससे जन असंतोष उत्पन्न हो सकता है। साथ ही, विभाग ने 'सहमति-आधारित' लोक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर भी बल दिया है। इसी बीच, एक बड़ा वार्षिक मेला आयोजित होने वाला है जिसमें कई गांवों और क्षेत्रों से लोग शामिल होंगे। यदि यह गांव बिना टीकाकरण के रह गया, तो इससे खसरा-रूबेला (MR) के प्रकोप के प्रसार का तात्कालिक और गंभीर खतरा है, जो पूरे जिले और संभवतः उससे आगे तक फैल सकता है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) इस विरोध को शांत करने के लिए आपके पास तत्काल क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) अंधविश्वास के व्यापक प्रभाव को दूर करने और संधारणीय लोक स्वास्थ्य परिणामों हेतु वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए आप कौन-सी दीर्घकालिक रणनीतियां और प्रणालीगत सुधारों का सुझाव देंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a dedicated District Health Officer (DHO) with a strong commitment to evidence-based public health practices, recently assigned to a remote district in India. Your immediate and most critical task is to lead a crucial district-wide Measles-Rubella (MR) vaccination drive, aimed at achieving 100% immunization coverage among children aged 9 months to 15 years. The success of this drive is vital for the collective health of thousands of children and for the district's overall health indicators, especially with the impending monsoon season posing additional health challenges.

However, in one of the largest and most traditional villages in your district, you encounter formidable resistance. The villagers, deeply influenced by the pronouncements of a revered local

VisionIAS

spiritual leader, firmly believe that vaccinations are an intrusion by malevolent spirits, an attempt by external forces to control their population, or will cause infertility in their children. They insist that their traditional herbal remedies and ritualistic blessings are sufficient protection. This spiritual leader, a genuinely well-meaning but unyielding figure, sincerely believes these vaccinations are harmful and has publicly advised his followers against them, citing anecdotal 'failures' and ancient prophecies. His word is paramount for the community's adherence to traditional ways of life. This has led to an almost complete boycott of the vaccination camps in the village, despite extensive awareness campaigns. Your health workers, some of whom are local and fear social ostracization or even physical harm, are facing intense hostility. The state health department is exerting immense pressure to achieve targets, warning of severe consequences for any district failing to meet the immunization goals. Simultaneously, they strictly caution against any use of force that could lead to public unrest, emphasizing the need for 'consensus-based' public health. An impending large annual fair, which will draw crowds from multiple villages and regions, heightens the immediate and severe risk of a rapid MR outbreak if this village remains unvaccinated, posing a grave threat to the wider district and potentially beyond.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) Discuss the ethical issues involved in the above case.
(b) What are the immediate options available to you to overcome this resistance?
(c) What long-term strategies and systemic reforms would you suggest to address the pervasive influence of superstition and foster a scientific temperament for sustainable public health outcomes? (Answer in 250 words) 20

Given case study shows the ~~deficit~~ contrarian existence of modernism (MR vaccine) and traditionalism (spirit mongering)

Article 51(A)(g) : development of scientific temper as my guiding light.

(a) Ethical issues...

1) traditionalism vs modern science.

VISION IAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) collective health vs collective faith

3) social norm vs social welfare.

4) consensus based healthcare vs resistant outlook of villagers

b) Immediate options

- dialogue with spiritual leader
  - help them understand science behind vaccines.
- lay forward success stories
  - eg covid
- help them see utilitarian perspective
  - run/show pilot programme results from elsewhere

preserved health security OR

VisionIAS

not do anything

- spread of AMR to other villages
- death plausibility high
- duty failure

giving into social diktat, constitution let down

c) Long term strategies

1) Education democratisation
2) Spiritual leader's sensitisation
3) Health awareness and mobility
4) Visits of villagers to other villages (model ones)
5) creation of ASHAs or villagers as owner of

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

health care.

Such instances require a convergence and cathedral approach - build one by one in long term to advance sustainable public health.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

12. आप एक अत्यंत प्रेरित और सिद्धांतवादी प्रधान ग्राम पंचायत सचिव हैं। हाल ही में, आपको एक दूरस्थ जिले में स्थित एक बड़े और सामाजिक-आर्थिक रूप से विविधतापूर्ण गाँव में पदस्थ किया गया है। आपका तात्कालिक और सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य 'ग्रामीण आवास योजना' के लाभार्थियों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करना है — यह राज्य की एक प्रमुख आवासीय योजना है, जिसका उद्देश्य वास्तव में गरीब और भूमिहीन परिवारों को 'पक्का' (ईंटों से बना) घर उपलब्ध कराना है। इस योजना की समय-सीमा बहुत कम है और निधियों की प्राप्ति सटीक व त्वरित लाभार्थी चयन पर निर्भर करती है। जिला कलेक्टर की ओर से निष्पक्षता और पारदर्शिता पर बल देते हुए किसी भी कदाचार के विरुद्ध स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गयी है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वार्ड क्रमांक 3 में घर-घर जाकर मेहनत से किए गए आपके सत्यापन के दौरान, आपको पता चलता है कि श्री इंदर सिंह, एक व्यापक रूप से स्वीकृत 'बाहुबली' व्यक्ति है, जिसके परिवार के पास अपनी भूमि और व्यापक स्थानीय नेटवर्क की वजह से महत्वपूर्ण अनौपचारिक शक्ति और प्रभाव है, को अस्थायी रूप से एक पात्र लाभार्थी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। अवस्थिति पर आपके द्वारा किए गए आकलन से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि श्री सिंह एक विशाल, बहुमंजिला 'पक्के' घर में रहता है और उसकी वित्तीय स्थिति 'गरीबी रेखा से नीचे' जीवन-यापन करने वाले परिवारों हेतु योजना के सख्त पात्रता मानदंडों से काफी ऊपर है। जब आप उसकी पात्रता पर प्रश्न उठाते हैं, तो श्री सिंह अत्यधिक आक्रामक हो जाता है। वह अपने परिवार के गांव में 'अद्वितीय योगदान' और चल रहे उच्च प्राथमिकता वाले जिला स्तरीय 'जल सुरक्षा अभियान' के लिए समर्थन जुटाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का हवाला देता है। वह स्पष्ट रूप से कहता है कि उसका नाम हटाने की किसी भी कोशिश को न केवल एक गंभीर व्यक्तिगत अपमान माना जाएगा, बल्कि इससे उनके परिवार द्वारा जल अभियान से महत्वपूर्ण समर्थन भी वापस लिया जा सकता है, जिससे पूरे जिले के प्रयास खतरे में पड़ सकते हैं और इससे हज़ारों किसान प्रभावित होंगे। उसने आगे चेतावनी दी कि वह भविष्य में होने वाले विकास कार्यों के विरुद्ध व्यापक स्थानीय प्रतिरोध को उग्र कर सकता है, जिससे पंचायत का कामकाज पूरी तरह ठप्प हो जाएगा।

आप अच्छी तरह जानते हैं कि कई वास्तविक रूप से ऐसे गरीब परिवारों है जो जीर्ण-शीर्ण झोपड़ियों में रहते हैं और दशकों से ऐसी सहायता का इंतज़ार कर रहे हैं। श्री सिंह को शामिल करने से उनमें से किसी एक परिवार को अन्यायपूर्ण तरीके से बाहर करना होगा। आपके खंड विकास अधिकारी (BDO), राज्य के लक्ष्यों को पूरा करने के भारी दबाव में, आपको व्यक्तिगत तौर पर 'विनम्र' होने और सभी सरकारी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए 'समग्र शांति और सहयोग' को प्राथमिकता देने की सलाह देते हैं। उन्होंने यह संकेत दिया है कि श्री सिंह जैसे प्रभावशाली व्यक्तियों को चुनौती देने से आपके पूरे कार्यकाल में 'अनावश्यक बाधाएं' उत्पन्न हो सकती हैं और आपकी भावी नियुक्तियां भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्राम समुदाय, श्री सिंह के अनुचित दावे को जानकर भी, उनके विरुद्ध खुलकर बोलने से डरते हैं, जिससे उनकी अयोग्यता की बाह्य पुष्टि कठिन हो जाएगी और आप इस विषय पर अकेले पड़ जाएंगे।

(a) आपके समक्ष विद्यमान संभावित प्रशासनिक और नैतिक दुविधाएं क्या हैं?

(b) आपके लिए उपलब्ध सभी विकल्पों पर चर्चा कीजिए।

(c) आप अपने निर्णय का नैतिक औचित्य सिद्ध करते हुए कौन-सी व्यापक कार्यवाही करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a highly motivated and principle-driven Gram Panchayat Secretary, recently posted in a large and socio-economically diverse village in a remote district. Your immediate and most critical task is the meticulous verification of beneficiaries for the 'Gramin Awas Yojana' – a flagship state housing scheme aimed at providing 'pucca' (brick) houses to the genuinely impoverished and landless households. The scheme is under tight deadlines, with funds

VisionIAS

dependent on swift and accurate beneficiary selection. The District Collector has explicitly warned against any malpractices, emphasizing fairness and transparency.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

During your diligent house-to-house verification in Ward No. 3, you discover that Mr. Inder Singh, a widely acknowledged 'strongman' whose family wields significant informal power and influence due to their landholdings and extensive local network, has been provisionally listed as an eligible beneficiary. Your on-ground assessment unequivocally reveals that Mr. Singh resides in a sprawling, multi-story 'pucca' house and his financial status is demonstrably far above the scheme's strict eligibility criteria for 'Below Poverty Line' families. When you subtly question his eligibility, Mr. Singh becomes overtly aggressive, citing his family's 'unparalleled contribution' to the village and his crucial role in mobilizing support for the ongoing, high-priority district-level 'Jal Suraksha Abhiyan' (Water Conservation Campaign), where his active cooperation is currently indispensable. He bluntly states that any attempt to remove his name would not only be seen as a grave personal insult but could also result in his family's withdrawal of crucial support from the water campaign, potentially jeopardizing the entire district's efforts, which affects thousands of farmers. He further warns that he can incite widespread local resistance against future developmental works, effectively paralyzing the Panchayat's functioning.

You are keenly aware that several genuinely impoverished families, living in dilapidated shacks, have been waiting for decades for such assistance, and Mr. Singh's inclusion would directly mean one of them is unjustly excluded. Your Block Development Officer (BDO), under immense pressure to meet state targets, has privately advised you to be 'flexible' and prioritize 'overall peace and cooperation' to ensure the smooth rollout of all government schemes, hinting that challenging influential individuals like Mr. Singh might create 'unnecessary roadblocks' for your entire tenure and even impact your future postings. The village community, while silently aware of Mr. Singh's undue claim, fears openly speaking against him, making external validation of his ineligibility difficult and adding to your isolation.

(a) What are the potential administrative and ethical dilemmas you face?
(b) Discuss all options available to you.
(c) What comprehensive course of action would you choose to adopt, providing ethical justification for your decision? (Answer in 250 words) 20

Given case study reflects careful convergence and citizen collaboration, and focus on officer's probity to face tough challenges.

VISIONIAS

a) public welfare (vs) peaceful implementation of scheme

integrity (vs) offing with seniors.

injustice to one (vs) justice to all others

Deontology (vs) utilitarian decentralized reach to all but one

(b) Possible options.

1) Give into his tactics.

+ve
- utilitarian good of all but one
- implementation of Jal Suraksha Abhiyan & water security -

-ve
- Loss of dutiful oath
- lack of integrity
- courage loss
- precedent to betray officers

Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) Mr Singh's dialogue - based understanding
+
striking compassion in him
+
ensuring grant of 'Awas' to remaining family

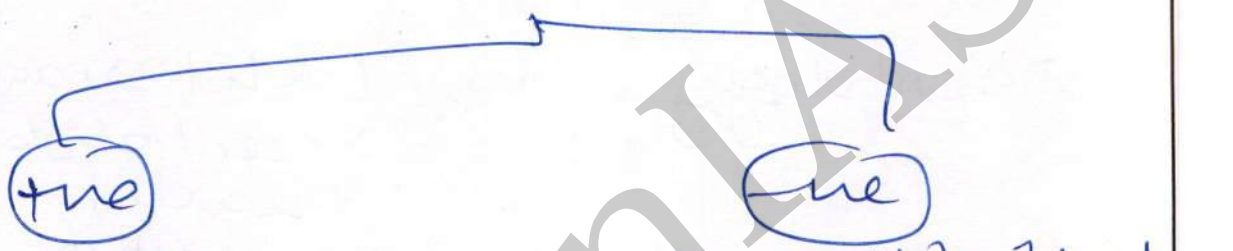

- All stakeholders addressed.
- Local resistance removed
- justice to all, none denied
- Equality of outcomes.

- possible that he may react wrongly
↓
ensure peace measures in understanding with police.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

• It is important to take stakeholder justice as central pivot of public service delivery to effecti article 39b, c

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margi

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS